University in News on 12 April 2021

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

100 Years 1920-2020

FIRST INDIA PAGE 3

TIKA UTSAV

LU proactively joins vax drive, NCC troops to spread msg

Started on Jyotiba Phule birth anniv, event to end on Ambedkar anniv on Apr 14

First India Bureau

Lucknow: Lucknow University, under the guidance of V-C Alok Kumar Rai on the occasion of the birth anniversary of Mahatma Jyotiba Phule from April 11 to the birth anniversary of Babasaheb Bhimrao Ambedkar on April 14, decided to make the event of the Tika Utsav successful. In this festival, the Faculty of Education of LU has pledged to conduct an awareness campaign on social media during this entire festival. Under this, the department has created a helpline for registration on Arogya Setu and COWIN website. Simultaneously, the faculty has planned to encourage and motivate the teaching and non-teaching staff and their family members to have this vaccine. Apart from this, faculty members and students will also promote this vax festival in their neighborhood and will make this event a success.

—PHOTO BY SUMIT KUMAR

An eledery person being vaxed in Lucknow on Sunday.

The 63 Battalion of the University NCC also conducted an awareness campaign on Sunday through various slogans and posters. The battalion will disseminate this vaccination festival on April 12 through different types of films as well in neighborhoods. The battalion will also motivate the general public to vaccinate through public dialogues and speeches on April 13. On the last day of the celebration, the battalion will encourage the general public to get vaccinated by inspiring poems.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 3 & 5

वैक्सीनेशन के प्रति लोगों को जागरूक करेगा लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय भी टीकाकरण उत्सव में भाग लेकर इसे सफल बनाने के लिए मुहिम चलाएगा। इसके लिए विवि योग्य शिक्षक एवं कर्मचारियों के साथ उनके परिवारीजनों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करेगा। कई अन्य कार्यक्रमों के जरिये लोगों को जागरूक करेगा। इसी कड़ी में शिक्षा-शास्त्र संकाय सोशल मीडिया में जन जागरूकता अभियान चलाएगा। इसके अलावा एनसीसी बटालियन नारों एवं पोस्टरों के माध्यम से 12 अप्रैल को टीकाकरण उत्सव का प्रचार-प्रसार करेगी। 13 अप्रैल को जन संवाद और भाषण से लोगों को प्रेरित करेगी। उत्सव के अंतिम दिन प्रेरक कविताओं द्वारा लोगों को प्रोत्साहित करेगी। विश्वविद्यालय के संस्कृतकी द्वारा पोस्टर और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसका विषय 'टीकाकरण के लिए प्रेरित करना' है। इसी कड़ी में रविवार को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने शहर के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचकर आम लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में बिना मास्क के आने वाले लोगों को मास्क भी वितरित किए। (माई सिटी रिपोर्टर)

'लविवि में हो ऑक्सीजन की व्यवस्था'

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले व विवि में हुए संक्रमण के मद्देनजर अपनी डिस्पेंसरी में बेहतर व्यवस्था की मांग कुलपति से की है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को भेजे पत्र में लूटा अध्यक्ष डॉ. विनीत वर्मा ने कहा है कि जिस तेजी से संक्रमण बढ़ रहा है ऐसे में डिस्पेंसरी में ऑक्सीमीटर आदि जांच का सामान उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि डिस्पेंसरी में आवश्यक दवाएं उपलब्ध हों और ऑक्सीजन की भी व्यवस्था हो। परिसर में जिस तेजी से शिक्षक व कर्मचारी संक्रमित हुवे हैं। ऐसे में सेल्फ आइसोलेशन की भी व्यवस्था की जाए। जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग से संपर्क कर कोविड जांच शिविर लगे। साथ ही वैक्सीनेशन के लिए भी कैम्प लगाया जाए। (माई सिटी रिपोर्टर)

THE PIONEER PAGE 3

LU to make Tika Utsav a success

Lucknow (PNS): Lucknow University has decided to make Tika Utsav a success. Faculty of Education has pledged to conduct an awareness campaign on social media during the four days of the event. The department has created a helpline for registration on Aarogya Setu App and CoWIN website.

Simultaneously, the faculty has planned to encourage teaching and non-teaching staff and their family members to get vaccinated. Faculty members and students also vowed to promote the event in their respective neighbourhoods, LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

The 63rd Battalion of Lucknow University NCC also conducted an awareness campaign on Sunday through various slogans and posters.

DAINIK JAGRAN PAGE 4

कोरोना से संस्कृत विवि के पूर्व कुलपति का निधन

प्रो. अशोक कुमार

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रो. अशोक कुमार कालिका का रविवार को लखनऊ में निधन हो गया। वह कोरोना संक्रमित हो गए थे। संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. कालिया संस्कृत विवि में 2005 से वर्ष 2008 तक कुलपति रहे। (वाराणसी)

JAGRAN CITY PAGE I

डिस्पेंसरी में कोविड मरीजों को मिलें सुविधाएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में कोरोना संक्रमण से कई शिक्षकों व कर्मचारियों की मौत होने के बाद यहां की डिस्पेंसरी में कोविड मरीजों के लिए आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने की मांग उठी है। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) ने रविवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को ज्ञापन भेजकर डिस्पेंसरी में आवश्यक दवाएं, आक्सीजन सिलिंडर सहित प्रमुख चीजें मुहैया कराने की मांग की।

लूटा अध्यक्ष डा. विनीत वर्मा ने बताया कि परिसर में काफी पुरानी डिस्पेंसरी है। कुछ दिनों में परिसर में काफी शिक्षक व कर्मचारी कोरोना से संक्रमित हुए हैं। इसलिए डिस्पेंसरी में कोविड मरीजों के लिए पैरासिटामोल, जिंकोविट, विटामिन सी सहित आवश्यक दवाएं, आक्सीजन लेवल की जांच के लिए आक्सीमीटर, आक्सीजन के लिए सिलिंडर

की व्यवस्था कराई जाए, जिससे इमरर्जेंसी में इसका उपयोग किया जा सके। इसके अलावा इमरर्जेंसी के लिए एंबुलेंस भी तैयार रहनी चाहिए और उसके ड्राइवर एवं अन्य स्टाफ के लिए पीपीई किट की व्यवस्था भी हो, ताकि जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल हो सके।

जांच के लिए लगे शिविर: लूटा महासचिव डा. राजेंद्र कुमार वर्मा के मुताबिक कैंपस में जिन शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों व उनके स्वजन को कोविड संक्रमण है, वह होम आइसोलेशन में हैं। उनके लिए पेमेंट बेस पर पास के हास्टल की मेस में खाने और नाश्ते की व्यवस्था कराई जाए। साथ ही एक बार फिर से कोविड-19 की जांच के लिए शिविर लगाया जाए। विश्वविद्यालय के जो लोग संक्रमित हैं, उनके लिए आइसोलेशन की व्यवस्था करने की भी व्यवस्था होनी जरूरी है।

एनसीसी कैडेटों ने चलाया जागरूकता अभियान

कोविड के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय ने योजना बनाई है। इसके तहत रविवार को विश्वविद्यालय की एनसीसी 63वीं बटालियन के कैडेटों ने विभिन्न नारों एवं पोस्टरों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया। बटालियन 12 अप्रैल को विभिन्न प्रकार के चलचित्रों के माध्यम से भी टीकाकरण उत्सव का प्रचार-प्रसार करेगी।

TOI PAGE 2

Ex-VC of SSU & doyen of Sanskrit loses Covid battle

Times News Network

Lucknow: After Prof BK Shukla, the Lucknow University lost another doyen of Sanskrit, Prof Ashok Kalia, 80, who succumbed to Covid-19 on Sunday.

Both Prof Shukla and Prof Kalia had last attended the inauguration of Abhinavagupt Institute of Aesthetics and Shaiva Philosophy on March 23, after which at least 10 LU professors got infected. Two of them have died while five are critical. At least 20 LU professors have been infected so far in the second wave of coronavirus pandemic.

Prof Kalia was the former vice-chancellor of Sampurnanand Sanskrit University (SSU), Varanasi, and former head of LU's Sanskrit and Prakrit languages department. Prof BK Shukla (58), who passed away just five days back, was a student of Prof Kalia.

Prof Kalia was tested positive to novel coronavirus on March 28 and was admitted to Dr Ram Manohar Lohia Hospital.

Prof Kalia's son, Anshul Kalia told TOI: "He was admitted to Lohia Hospital on March 31 and his condition was critical since then. My father was an internationally known Sanskrit scholar and late Prof BK Shukla was his PhD student. He was writing his 21st book and was planning to publish it. Now, I will fulfil his this dream."

"Felicitated with a certificate of honour from the President and various national and international awards, Prof Kalia was known worldwide for academic excellence. His exemplary research works made a mark in Sanskrit fraternity not only in India but also abroad," said Pawan Dixit, associate professor at Rashtriya Sanskrit Sansthan, Lucknow.

"Prof Kalia will always be remembered for the development of LU's Jyotir Vigyan department. We have lost an epitome of excellence and an encyclopedia of Sanskrit," said former head of Sanskrit department at LU Prof Ram Sumer Yadav. He said Prof Kalia believed in simple living and never bragged about the work he did in the field of Sanskrit.